IJRAR.ORG E-ISSN: 2348-1269, P-ISSN: 2349-5138

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS (IJRAR) | IJRAR.ORG

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

आध्यात्मिक बुद्धिः विशेषताएं एवं घटक एक समीक्षा।

***अखिलेश कुमार शर्मा,**

**प्रोफेसर (डॉ) कविता विश्नोई

*शोध छात्र महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय बरेली

**प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग

बरेली कॉलेज, बरेली।

सार – प्रस्तुत समीक्षा पत्र पूर्व में प्रकाशित विभिन्न समीक्षा पत्रों का गहन अध्ययन एवं समीक्षा कर आध्यात्मिक बुद्धि की विशेषताओं एवं सम्बंधित घटकों को समझने का प्रयास करता है। जिसमें आध्यात्मिक बुद्धि की निम्न विशेषताओं की पहचान की गयी है जैसे– बदलाव को स्वीकार करना, असीमित जानने की इच्छा रखना, प्रकृति संरक्षण एवं पोषण से जुड़ाव रखना, जीवन के प्रत्येक क्षण के लिए परम शक्ति को धन्यवाद देना, अनुशासित दिनचर्या, दृष्टिकोण में लचीलापन रखना, नवाचारी रहना, वैधानिक कार्य करना, गहरे प्रश्न पूछना। तथा घटकों के रूप में (1) अनुशासन (2) लचीलापन (3) दृढ इच्छाशक्ति (4) सकारात्मकता (5) स्वयं पर विश्वास (6) आत्म सम्मान (7) स्व अनुभव (8) स्व जागरूकता (9) सहानुभूति (10) करुणा (11) विविधता की स्वीकार्यता (12) वर्तमान में जीना (13) सहजता (14) समग्रता (15) नैतिकता (16) बंधन मुक्तता (17) पुनर्निर्माण की योग्यता (18) सेवा की भावना (19) सत्यनिष्ठा (20) पवित्रता (21) खुलापन (22) ईमानदारी (23) मानवीयता आदि की पहचान की गयी है जो व्यक्ति इन घटकों को जीवन में आत्मसात एवं अनुसरण करता है वह निश्चय ही उच्च आध्यात्मिक बुद्धि का प्रतिनिधित्व कर आत्मिक शांति को प्राप्त करता होगा।

मुख्य शब्द– आध्यात्मिकता, आध्यात्मिक बुद्धि, स्व जागरूकता।

प्रस्तावना –

आज वर्तमान समय में चहुँ ओर संघर्ष व्याप्त है चाहे यह संघर्ष बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा में आगे निकलने की होड़ का हो, चाहे भौतिक सुखो की प्राप्ति या फिर दो देशों के मध्य हो रहे युद्ध की प्रभुत्वता का संघर्ष हो हर ओर एक अजीब सी भागदौड़ एवं मानसिक अशांति सी दीख पड़ती है ऐसी अशांति न सिर्फ मानव समाज में लौकिक सुखो की कामना को बढ़ा रही है बल्कि आधुनिक समाज में सामाजिकता की खाई को और गहरा कर रही है क्यूंकि मानव अपनी इच्छापूर्ति हेतु इतना व्यस्त हो गया है कि उसके पास स्वयं को जानने को समय ही नहीं है वह ये मंथन नहीं कर पाता कि वास्तव में उसके जीवन का अर्थ एवं उद्देश्य क्या है? वह यह समझ ही नहीं पाता कि उसको लौकिक सुख की जगह आत्मिक शांति की आवश्यकता है। अब ऐसे अशांत समय में आत्मिक शांति प्राप्त करने के लिए मानव समाज को आध्यात्मिकता की ओर जाना होगा जिससे मानवीय व्यवहार, मूल्यों में नैतिकता, सम्बन्धो में जुड़ाव, मानसिक द्वन्द का निराकरण, आत्मिक शांति

आदि के द्वारा संगठनात्मक भलाई को बढ़ाया जा सके अन्यथा आध्यात्मिक शुष्कता व्यक्ति में व्याप्त मानवीय मूल्यों का ह्रास कर ईश्वर की सबसे उत्कृष्ट कृति को उद्देश्य विहीन कर देगी। अब प्रश्न उठता है कि आध्यात्मिकता क्या है? वास्तव में आध्यात्मिकता बुद्धि पर आधारित है, जो मानव बुद्धि के प्रकारो में सबसे ऊपर एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। जोहर (1997) के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि दो प्रत्ययो का जुड़ाव है पहला आध्यात्म जो कि अंग्रेजी भाषा के Spiritual का हिन्दी अर्थ है Spiritual लैटिन भाषा के spiritus स्पिरिचस से बना है जो किसी को जीवन या जीवन हेतु शक्ति देने का प्रतिनिधित्व करती है।

दूसरा प्रत्यय है बुद्धि – वैशलर (1939) "बुद्धि सार्वजनिक क्षमता का एक सेट है जिसके माध्यम से व्यक्ति सोउद्देश्य पूर्ण क्रिया करता है विवेकी चिंतन करता है तथा वातावरण से प्रभावी तरीके से अनुकूलन करता है।इस प्रकार आध्यात्मिक बुद्धि वह क्षमता है जो विवेकी रूप से उद्देश्यपूर्ण क्रिया के द्वारा व्यक्ति को जीवनीय ऊर्जा प्रदान करती है। एम्मान्स (1999) "आध्यात्मिक बुद्धि आध्यात्मिकता के अनुकूली उपयोग हेतु जरुरी कौशलो एवं शक्तियों को पहचानने एवं प्रबंधित करने का सेट है" एम्मान्स (2000) ने प्रारम्भ में आध्यात्मिक बुद्धि की पाँच क्षमताओं की पहचान की (1)–आध्यात्म की सहायता से समस्याओ के निराकरण की क्षमता (2) चेतना की सबसे ऊपरी अवस्था तक पहुँचने की क्षमता (3) प्रत्येक दिवस के अनुभवों में निवेश की क्षमता (4) भौतिकता के त्याग की क्षमता (5) गुणवान होने की क्षमता। वोलमैन (2001) "जीवन एवं इस जगत के मध्य सम्बन्धो का अनुभव करने की मानवीय क्षमता ही आध्यात्मिक बुद्धि है"

इस प्रकार आध्यात्मिक बुद्धि शरीर एवं मन के मध्य के रिश्तों को सरलता प्रदान कर व्यक्ति में ऐसी ऊर्जा का निर्माण करती है जिससे व्यक्ति समृद्धि एवं उत्थान का निर्माण कर स्व जागरूकता, पवित्रता एवं आत्मिक शांति को प्राप्त करने की उच्चतम प्रेरणा तक पहुंच सके।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व

वर्तमान समीक्षा न सिर्फ व्यक्तित्व में उत्कृष्टता के लिए तथा अन्य ऐसे आंतरिक संबंधों पर प्रकाश डालने के दृष्टिकोण से आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है जो संज्ञानात्मक तथा गैर संज्ञानात्मक है। भारतीय दर्शन आध्यात्म से ओत प्रोत दर्शन है जिसके कारण वर्तमान समय में आध्यात्मिक बुद्धि के निहितार्थ प्रतिदिन विकसित हो रहे हैं अनेकों ऐसे शोध कार्य हुए हैं जो भारतीय शिक्षा प्रणाली में आध्यात्मिकता के समावेशन की वकालत करते रहे हैं फलस्वरुप पाठ्य सहगामी क्रियाओं से विद्यालयी शिक्षा के उद्देश्य पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति एवं अनुशासन के क्षेत्र में काफी सुधार हुआ है प्रस्तुत पत्र के माध्यम से आध्यात्मिक बुद्धि की समझ विकसित करना, आध्यात्मिक बुद्धि को पोषण देने वाले प्रमुख कारको को समझने, विश्लेषण तथा मूल्यांकन करने का समुचित प्रयास करना है।

अध्ययन का सीमांकन

वर्तमान समीक्षा पत्र द्वितीयक सामग्री जो कि पूर्व में प्रकाशित पत्रिकाएं, जर्नल, पुस्तकें तथा संपादकीय लेखों पर आधारित है।

अध्ययन के उद्देश्य

- आध्यात्मिक बुद्धि के अस्तित्व को समझना।
- आध्यात्मिक बुद्धि को पहचानने की क्षमता विकसित करना।
- आवश्यक घटको की पहचान करना।

- आध्यात्मिक बुद्धि की समझ विकसित करना।
- जीवन कौशल के रूप में दैनिक जीवन में उपादेयता को समझना।

सम्बंधित साहित्य की समीक्षा

(1) दानाह गुटेरस (2025) वर्तमान समय में दुनिया में अप्रत्याशित उथल पुथल मची पड़ी है ऐसी स्थिति में SQ, आध्यात्मिक लब्धि को विकसित करना ज्यादा आवश्यक हो गया है हम वास्तव में अपने अस्तित्व और धरती पर अपने स्थान को समझना चाहते हैं ऐसे में आध्यात्मिक बुद्धि समग्र स्पष्टता प्रदान करती है तथा हमारे कार्यों एवं उद्देश्यों में पूर्णता प्रदान करती है। निम्न घटक आध्यात्मिक बुद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं (1)आत्म जागरूकता (2)अनुकूलन शीलता (3) लचीलापन (4)मजबूत उद्देश्य (5)सहानुभूति एवं नैतिक जीवन (6)पवित्र सोच (7)जिज्ञासा (8) विचार स्वतंत्रता। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता विकसित करने में सहायक व्यवहार– (1)परिवर्तनीय चिंतन को अपनाएं। (2)माइंडफुलनेस (सचेतन) को धारण करें। (3)सहानुभूति पूर्ण व्यवहार करें। (4)जानने के लिए जिज्ञासु रहें। (5)प्रकृति से सदैव जुड़े रहें। (6)ईश्वर के प्रति कृतज्ञ रहें। (7) दिनचर्या को संतुलित बनाएं। (8)गूढ़ प्रश्नों को पूछें। (9)लचीले रहें। (10)सम्बन्धो को बढ़ाबा दें। (11)परोपकारी रहें। (12)रचनात्मकता व्यक्त करें। (2) **आर जी रत्नावत (2023)** "स्पिरिचुअल इंटेलीजेंस एंड अकादमिक परफॉरमेंस ऑफ स्टूडेंट्स : ए रिव्यू ऑफ़ लिटरेचर" आध्यात्मिक बुद्धि धार्मिक अवधारणाओ, प्रथाओ की समझ, प्रबंधन तथा प्रयोग के कौशलों को इंगित करती है। इन कौशलों में आत्मिक चेतना, करुणा, दया, जैसे मानवीय गुण सम्मिलित रहते हैं। विभिन्न शोध कार्यों के निष्कर्ष में कहा गया है कि आध्यात्मिक बुद्धि संज्ञान, भावनाओं को व्यवस्थित कर सामाजिक कौशल में सकारात्मक बदलाव कर शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण है। अनेकों साहित्य की समीक्षा उपरांत पाया की आध्यात्मिक बुद्धि तथा शैक्षणिक प्रदर्शन के मध्य धनात्मक सम्बन्ध है जो यह बताता है कि जिनकी आध्यात्मिक बुद्धि का स्तर उच्चतम होता है वे अपनी सम्पूर्ण अकादमिकता में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। (3) **जैना पाण्डेय (2023)** के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि आत्म निरीक्षण, अन्यों को गहराई तक जानने, वस्तु स्थिति को समझने तथा आवश्यक उद्देश्यों को प्राप्त करने का सही तरीका या तकनीक है जो व्यक्ति मे लचीली रचनात्मक समझ, आंतरिक दृष्टि, नियम, अनुशासन विकसित करती है इसके अभाव में व्यक्ति स्वयं के प्रति व्यापक दृष्टिकोण विकसित नहीं कर सकता। आंतरिक एवं बाहरी दुनिया के मध्य जुड़ाव तथा जीवन के वास्तविक अर्थ से मानव जीवन की संपूर्णता से परिचय कराती है साथ ही नवीन मानवीय मूल्यों का सृजन एवं वर्तमान मूल्यों में व्यापकता लाकर सच्चे मानवीय गुणों का प्रतिनिधित्व करती है। (4) **जैन सृष्टि एवं मित्रा गौरांग (2024)** ने अपने पत्र में आध्यात्मिक बुद्धि से सम्बंधित पूर्व एवं पश्चिम के दर्शन की विवेचना की है। वास्तव में आध्यात्मिक बुद्धि केवल ईश्वरीय आस्था तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें व्यापक दृष्टिकोण एवं विश्वास हैं। पूर्व एवं पश्चिम के दर्शन में आध्यात्मिक बुद्धि के सन्दर्भ में काफी समानताएं हैं आध्यात्मिक बुद्धि से पूर्ण व्यक्ति में जबरदस्त इच्छा शक्ति, सकारात्मकता एवं स्वयं की क्षमता पर गहरा विश्वास होता है। व्यक्ति चेतन एवं अवचेतन मन के मध्य सही संतुलन बनाने की कला जानता है। **रोज़र्स (1961)** ने अपने आत्म व्यक्तित्व विकास सिद्धांत में ऐसे गुणों को बताया है जो आध्यात्मिक बुद्धि से समानताएं रखते हैं जैसे– जीवगत विश्वास, उच्च आत्म सम्मान, स्व अनुभव, सहानुभूति, करुणा, विविधता का उत्सव, भीतर की आवाज, सकारात्मकता, वर्तमान में जीना, सहजता आदि बताएं हैं जो की जोहर के (2002) 1.आत्म जागरूकता 2.सहजता 3.समग्रता 4.दृष्टि एवं मूल्य 5.करुणा 6.विविधता का उत्सव 7.क्षेत्रीय आजादी 8.मौलिक प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति 9.विनम्रता 10.पुनर्निर्माण का कौशल 11.प्रतिकूल परिस्थितियों में सकारात्मक समायोजन 12.सेवा की भावना से समानता रखते हैं। (5) **दिव्या वर्गीज एवं अन्य (2025)** आध्यात्मिक बुद्धि मानव भलाई, स्वयं के स्वरुप को समझने, कार्यस्थल पर कार्मिकों की एकाग्रता उत्कृष्ट कार्य संपादन तथा उत्पादन बढ़ाने में मदद करती है। विभिन्न समीक्षात्मक पत्रों से आध्यात्मिक बुद्धि के निम्न घटक सत्यनिष्ठा, शुद्धता, विनम्रता, खुलापन, शांति, नैतिकता, स्वयं सेवक, ईमानदारी

की पहचान की गयी है। अध्ययन में पाया कि आध्यात्मिक बुद्धि का कार्मिको के कार्य कौशल एवं कार्य संतुष्टि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है. यह व्यक्ति एवं संसार के मध्य सबंध को समझने में मदद करती है।

विश्लेषण एवं व्याख्या

विभिन्न समीक्षात्मक पत्रों की समीक्षा के उपरांत आध्यात्मिक बुद्धि को सरलता से समझा जा सकता है। अस्तित्व में ये IQ एवं EQ दोनों से व्यापक है। यह एक मानवीय कौशल है जो व्यक्ति में उससे सम्बंधित कार्यों में निपुणता लाती है,व्यक्ति में कार्य तत्परता एवं संपादन के अनुपात को बढ़ाती है। आध्यात्मिक बुद्धि ऐसी विशेषताओं को धारण करती है जिनके माध्यम से इसकी पहचान की जा सकती है जैसे– बदलाव को स्वीकार करना, असीमित जानने की इच्छा रखना, प्रकृति संरक्षण एवं पोषण से जुड़ाव रखना, जीवन के प्रत्येक क्षण के लिए परम शक्ति को धन्यवाद देना, अनुशासित दिनचर्या, दृष्टिकोण में लचीलापन रखना, नवाचारी रहना, वैधानिक कार्य करना, गहरे प्रश्न पूछना। प्रस्तुत पत्र में आध्यात्मिक बुद्धि के निम्न घटको की पहचान की गई है– अनुशासन (2)लचीलापन (3) दृढ इच्छाशक्ति (4)सकारात्मकता (5)स्वयं पर विश्वास (6)आत्म सम्मान (7)स्व अनुभव (8)स्व जागरूकता (9)सहानुभूति (10)करुणा (11)विविधता की स्वीकार्यता (12)वर्तमान में जीना (13)सहजता (14)समग्रता (15)नैतिकता (16)बंधन मुक्तता (17)पुनः निर्माण की योग्यता (18)सेवा की भावना (19)सत्यनिष्ठा (20) पवित्रता (21)खुलापन (22)ईमानदारी (23)मानवीयता। उपरोक्त विशेषताओं एवं घटको के अध्ययन से आध्यात्मिक बुद्धि की व्यापक समझ को विकसित किया जा सकता है. आध्यात्मिक बुद्धि दैनिक जीवन के जटिल कार्यों के सरलीकरण एवं कुशलता से कार्य निष्पादन हेतु योजना का निर्माण कर उद्देश्यों एवं कार्यों में पूर्णता प्रदान करती है एवं जिज्ञासा को बढ़ाकर जानने की प्रवृत्ति की तृप्ति कर सभी प्रकार से क्रियाशील बनाती है।

निष्कर्ष

आध्यात्मिक बुद्धि अपने घटक एवं विशेषताओं के समाकलन से अन्य सभी बुद्धियों से अधिक महत्वपूर्ण एवं विकास की समग्रता को प्राप्त करती है। यह व्यक्ति में स्व जागरूकता अर्थात व्यक्ति का स्वयं से परिचय कराती है उसे स्वयं की शक्तियों एवं कमजोरियो, बुराई एवं अच्छाई से परिचय करा **स्वयं का प्रकाश "अप्प दीपो भव"** बनाती है। ऐसे ही आध्यात्मिक बुद्धि गहराई से प्रश्न पूछने को प्रेरित करती है "

जिन खोजा तिन पाइया, गहरे पानी पैठ।

मैं बपुरा बूडन डरा, रहा किनारे बैठ।।

आध्यात्मिक बुद्धि छनन का कार्य करती है जो मानव मस्तिष्क से निरर्थक चीजों को निकाल कर सार्थक चीजों का समावेशन करती है। आध्यात्मिक बुद्धि को शैक्षिक पाठ्यचर्या एवं सहगामी क्रियाओ में शामिल कर इसके अन्य छिपे हुए निहितार्थो को जान कर व्यापक समझ विकसित की जा सकती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. श्री वास्तव प्रेमशंकर (2010) "स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस एन ओवर वियू, वॉल्यूम 3, इश्यू 3, पेज संख्या : 224–227
2. अरोरा संतोष, शर्मा अखिलेश (2022) "स्नातक स्तर के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन" वॉल्यूम 9, इश्यू 3, E-ISSN : 2348–1269 P-ISSN : 2349–5138 www.ijrar.org
3. सोयलेमेज ए एवं कोक मुस्तफा (2019) "स्टडीइंग स्पिरिचुअल इंटेलिजेन्स एज ए प्रेडिकेटर ऑन मीनिंगफुलनेस एंड लाइफ सैटिस्फैक्शन" स्पिरिचुअल साइकोलॉजी एंड काउन्सलिंग 4,190–192 http://dx-doi-org/10.12738/spc.2019.4.2.0060

4. पीरजादा सबजार, मुफ़्ती साबिया, अहमद नाजिर (2018) "रिव्यू एंड अनालिसिस ऑफ़ ए न्यू इंटेलिजेन्स : द स्पिरिचुअल इंटेलिजेन्स" वॉल्यूम 5, इश्यू 4(xv)
5. https://www.abs-cbn-com/lifestyle/wellness/2025/1/31/the-quiet-power-of-spiritual-intelligence-1634
6. रत्नावत आर (2023) "स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस एंड एकेडमिक परफॉर्मेंस ऑफ स्टूडेंट्स : ए रिव्यू ऑफ लिटरेचर" वॉल्यूम 11, इश्यू 2
7. पाण्डेय जैना (2023) "स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस : मीनिंग एंड कम्पोनेंट्स" एजुकेशनल मेटामोरफोसिस, 2(1), 52–58 ISSN : 2583–4754
8. जैन सृष्टि एवं मित्र गौरांग (2024) "स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस : द फिलोसफी ऑफ ईस्ट एंड बेस्ट" वॉल्यूम 12, इश्यू 3 DOI :10.25215/1203.174 ISSN : 2349.3429(print)
9. वर्गीज दिव्या, कुदातरकार अनुराधा (2025) "इम्पैक्ट ऑफ स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस ऑन इम्प्लाई परफॉर्मेंस एंड जॉब सैटिस्फैक्शन्स–ए रिव्यू ऑफ इपोर्टेन्ट लिटरेचर" वॉल्यूम 13, इश्यू 1 DOI:10.25215/1301.022 ISSN : 2348–5396(online) ISSN: 2349–3429(print) https://www.ijip.in
10. https://www.timesnowhindi.com/spirituality/Sant-Kabir-Jayanti-2025-Kabir-das-ke-dohe-in-hindi-aisi-vani-boliye-man-ka-apa-khoye-article-151824242
11. https://acharyaprashant.org/en/articles/app-deepo-bhav-se-kya-aashay-hai-1-4f46doc